सीमाशुल्क (अपील) आयुक्तका कार्यालय, अहमदाबाद
OFFICE OF THE COMMISSIONER OF CUSTOMS (APPEALS), AHMEDABAD
चौथी मंज़िल 4th Floor, हडको बिल्डिंग HUDCO Building, ईश्वर भुवन रोड़ Ishwar Bhuvan Road,
नवरंगपुरा Navrangpura, अहमदाबाद Ahmedabad – 380 009.
दूरभाष क्रमांक Tel. No. 079-26589281

DIN-20260871MN0000733002

क	फ़ाइल संख्या FILE NO.	S/49-144/CUS/JMN/JUN/2025-26
ख	अपील आदेश संख्या ORDER-IN-APPEAL NO. (सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 128क के अंतर्गत)(UNDER SECTION 128A OF THE CUSTOMS ACT, 1962) :	JMN-CUSTM-000-APP-45-2026-27
ग	पारितकर्ता PASSED BY	Shri Vishwajeet Singh Commissioner of Customs (Appeals), Ahmedabad
घ	दिनांक DATE	04.08.2026
ङ	उदभूत अपील आदेश की सं. व दिनांक ARISING OUT OF ORDER-IN-ORIGINAL NO.	586/CUS-REF/2024-25 dated 30.05.2025
च	अपील आदेश जारी करने की दिनांक ORDER- IN-APPEAL ISSUED ON:	04.08.2026
छ	अपीलकर्ता का नाम व पता NAME AND ADDRESS OF THE APPELLANT:	1. M/s Sagarlaxmi Ship Breakers, Plot No. 4, Ship Recycling Yard, Alang, Bhavnagar

1	यह प्रति उस व्यक्ति के निजी उपयोग के लिए मुफ्त में दी जाती है जिनके नाम यह जारी किया गया है.
	This copy is granted free of cost for the private use of the person to whom it is issued.
2.	सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा 129 डी डी (1) (यथा संशोधित) के अधीन निम्नलिखित श्रेणियों के मामलों के सम्बन्ध में कोई व्यक्ति इस आदेश से अपने को आहत महसूस करता हो तो इस आदेश की प्राप्ति की तारीख से 3 महीने के अंदर अपर सचिव/संयुक्त सचिव (आवेदन संशोधन), वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) संसद मार्ग, नई दिल्ली को पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकते है.
	Under Section 129 DD(1) of the Customs Act, 1962 (as amended), in respect of the following categories of cases, any person aggrieved by this order can prefer a Revision Application to The Additional Secretary/Joint Secretary (Revision Application), Ministry of Finance, (Department of Revenue) Parliament Street, New Delhi within 3 months from the date of communication of the order.
	निम्नलिखित सम्बन्धित आदेश/Order relating to :
(क(	बैगेज़ के रूप में आयातित कोई माल.
(a)	any goods imported
(ख(	भारत में आयात करने हेतु किसी वाहन में लादा गया लेकिन भारत में उनके गन्तव्य स्थान पर उतारे न गए माल या उस गन्तव्य स्थान पर उतारे जाने के लिए अपेक्षित माल उतारे न जाने पर या उस गन्तव्य स्थान पर उतारे गए माल की मात्रा में अपेक्षित माल से कमी हो.
(b)	any goods loaded in a conveyance for importation into India, but which are not unloaded at their place of destination in India or so much of the quantity of such goods as has not been unloaded at any such destination if goods unloaded at such destination are short of the quantity required to be unloaded at that destination.
(ग(	सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अध्याय X तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के तहत शुल्क वापसी की अदायगी.
(c)	Payment of drawback as provided in Chapter X of Customs Act, 1962 and the rules made thereunder.
.3	पुनरीक्षण आवेदन पत्र संगत नियमावली में विनिर्दिष्ट प्रारूप में प्रस्तुत करना होगा जिसके अन्तर्गत उसकी जांच की जाएगी और उस के साथ निम्नलिखित कागजात संलग्न होने चाहिए :
	The revision application should be in such form and shall be verified in such manner as may be specified in the relevant rules and should be accompanied by :
(क)	कोर्ट फी एक्ट,1870 के मद सं.6 अनुसूची 1 के अधीन निर्धारित किए गए अनुसार इस आदेश की 4 प्रतियां, जिसकी एक प्रति में पचास पैसे की न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए.
(a)	4 copies of this order, bearing Court Fee Stamp of paise fifty only in one copy as prescribed under Schedule 1 item 6 of the Court Fee Act, 1870.
(ख)	सम्बद्ध दस्तावेज़ों के अलावा साथ मूल आदेश की 4 प्रतियां, यदि हो
(b)	4 copies of the Order-in-Original, in addition to relevant documents, if any
(ग)	पुनरीक्षण के लिए आवेदन की 4 प्रतियां
(c)	4 copies of the Application for Revision.

(घ)	पुनरीक्षण आवेदन दायर करने के लिए सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (यथा संशोधित) में निर्धारित फीस जो अन्य रसीद, फीस,दण्ड,जब्ती और विविध मदों के शीर्ष के अधीन आता है में रु. 200/-(रूपए दो सौ मात्र)या रु.1000/-(रूपए एक हज़ार मात्र), जैसा भी मामला हो, से सम्ब न्धित भुगतान के प्रमाणिक चलान टी.आर.6 की दो प्रतियां. यदि शुल्क, मांगा गया ब्याज, लगाया गया दंड की राशि और रूपए एक लाख या उससे कम हो तो ऐसे फीस के रूप में रु.200/- और यदि एक लाख से अधिक हो तो फीस के रूप में रु.1000/-
(d)	The duplicate copy of the T.R.6 challan evidencing payment of Rs.200/- (Rupees two Hundred only) or Rs.1,000/- (Rupees one thousand only) as the case may be, under the Head of other receipts, fees, fines, forfeitures and Miscellaneous Items being the fee prescribed in the Customs Act, 1962 (as amended) for filing a Revision Application. If the amount of duty and interest demanded, fine or penalty levied is one lakh rupees or less, fees as Rs.200/- and if it is more than one lakh rupees, the fee is Rs.1000/-.
4.	मद सं. 2 के अधीन सूचित मामलों के अलावा अन्य मामलों के सम्बंन्ध में यदि कोई व्यक्ति इस आदेश से आहत महसूस करता हो तो वे सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा 129 ए (1) के अधीन फॉर्म सी.ए.-3 में सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपील अधिकरण के समक्ष निम्नलिखित पते पर अपील कर सकते हैं
	In respect of cases other than these mentioned under item 2 above, any person aggrieved by this order can file an appeal under Section 129 A(1) of the Customs Act, 1962 in form C.A.-3 before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal at the following address :
	सीमाशुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क व सेवा कर अपीलिय अधिकरण, पश्चिमी क्षेत्रीय पीठ — **Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal, West Zonal Bench**
	दूसरी मंज़िल, बहुमाली भवन, निकट गिरधरनगर पुल, असारवा, अहमदाबाद-380016 — 2nd Floor, Bahumali Bhavan, Nr.Girdhar Nagar Bridge, Asarwa, Ahmedabad-380 016
5.	सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129 ए (6) के अधीन, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129 ए (1) के अधीन अपील के साथ निम्नलिखित शुल्क संलग्न होने चाहिए-
	Under Section 129 A (6) of the Customs Act, 1962 an appeal under Section 129 A (1) of the Customs Act, 1962 shall be accompanied by a fee of -
(क)	अपील से सम्बन्धित मामले में जहां किसी सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा मांगा गया शुल्क और व्याज तथा लगाया गया दंड की रकम पाँच लाख रूपए या उससे कम हो तो एक हज़ार रुपए.
(a)	where the amount of duty and interest demanded and penalty levied by any officer of Customs in the case to which the appeal relates is five lakh rupees or less, one thousand rupees;
(ख)	अपील से सम्बन्धित मामले में जहां किसी सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा मांगा गया शुल्क और व्याज तथा लगाया गया दंड की रकम पाँच लाख रूपए से अधिक हो लेकिन रुपये पचास लाख से अधिक न हो तो; पांच हज़ार रुपए
(b)	where the amount of duty and interest demanded and penalty levied by any officer of Customs in the case to which the appeal relates is more than five lakh rupees but not exceeding fifty lakh rupees, five thousand rupees ;
(ग)	अपील से सम्बन्धित मामले में जहां किसी सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा मांगा गया शुल्क और व्याज तथा लगाया गया दंड की रकम पचास लाख रूपए से अधिक हो तो; दस हज़ार रुपए.

आयुक्त (अपील) सीमा शुल्क अहमदाबाद

(c)	where the amount of duty and interest demanded and penalty levied by any officer of Customs in the case to which the appeal relates is more than fifty lakh rupees, ten thousand rupees
(घ)	इस आदेश के विरुद्ध अधिकरण के सामने, मांगे गए शुल्क के %10 अदा करने पर, जहां शुल्क या शुल्क एवं दंड विवाद में हैं, या दंड के %10 अदा करने पर, जहां केवल दंड विवाद में है, अपील रखा जाएगा ।
(d)	An appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute.
6.	**उक्त अधिनियम की धारा 129 (ए) के अन्तर्गत अपील प्राधिकरण के समक्ष दायर प्रत्येक आवेदन पत्र- (क) रोक आदेश के लिए या गलतियों को सुधारने के लिए या किसी अन्य प्रयोजन के लिए किए गए अपील : - अथवा (ख) अपील या आवेदन पत्र का प्रत्यावर्तन के लिए दायर आवेदन के साथ रुपये पाँच सौ का शुल्क भी संलग्न होने चाहिए.**
	Under section 129 (a) of the said Act, every application made before the Appellate Tribunal- (a) in an appeal for grant of stay or for rectification of mistake or for any other purpose; or (b) for restoration of an appeal or an application shall be accompanied by a fee of five Hundred rupees.

ORDER-IN-APPEAL

1. Brief facts of the case

1. M/s Sagarlaxmi Ship Breakers, Plot No. 4, Ship Recycling Yard, Alang, Bhavnagar (herein after referred to as the "Appellant for the sake of brevity) has filed the present appeals against Orders-In-Original 586/CUS-REF/2024-25 all dated 30.05.2025 (herein after referred to as the "impugned orders") issued by the Assistant Commissioner, Customs Division, Bhavnagar (herein after referred to as the "Adjudicating Authority).

1.2 The Appellant imported vessels/ship MV BALA for breaking purpose and filed bill of entry No. 4595560 dated 07.07.2021 for home consumption under Section 46 of the Customs Act, 1962. The Bills of Entry were assessed provisionally assessed for want of original documents.

1.3. There was some dispute with regard to assessment of Customs duty of the Fuel and Oil (Fuel Oil, Marine Oil, Lube Oil) contained in the Bunker tanks inside /outside engine room of the vessel /ship. Importer claimed that Fuel and Oil (Fuel Oil, Marine Oil, Lube Oil) contained in the Bunker tanks inside /outside engine room of the vessel /ship was to be assessed to duty under CTH 8908 along with vessel. However, the Department was of the view that Fuel and Oil contained in Bunker Tanks were to be assessed to duty under respective CTH of Chapter 27.

1.4 Hon'ble CESTAT, Ahmedabad vide its orders A/11792-11851/2022 dated 17.10.2022/01.12.2022 has held that the oil contained in the Bunkers Tanks in the engine room of the vessel is to be assessed to duty under CTH 8908, along with the vessel coming for breaking up. Further, in adherence to aforesaid order of Hon'ble CESTAT, it has been decided by the Assistant Commissioner, Customs Division, Bhavnagar in Final Assessment Order No. 1079/2631159/SBY/2024-25 dated 11.09.2024 that Bunker Tanks containing oil are to be treated as part of vessel's machinery and the Oils contained in them are to be classified under CTH 8908 along with the vessel, as covered under para 2(b) of circular no. 37/96-Cus Dated 03.07.1996. Therefore, in view of the aforementioned judgment of the Hon'ble Tribunal, the Bill of Entry No. 4595560 dated 07.07.2021 was finally assessed vide Final Assessment Order No. 679/25229440/SBY/2023-24 dated 04.0.2024/06.03.2024 passed by the Assistant Commissioner, Customs Division, Bhavnagar.

1.5 Consequent to the Final assessment of Bill of Entry the, Appellant filed refund claim dated 13.03.2025 of 1,22,392/-. The Adjudicating Authority held

Vishwajeet Singh

that the Appellant has filed the refund claim after a period of one year from the date of final assessment therefore, they are hit by bar of time limitation and accordingly rejected the refund claims.

1.6 Being aggrieved by the impugned order, the Appellant preferred the present appeals.

2. **Ground of Appeal submitted by the Appellant**

2.1. The Appellant submitted that short issue to be decided in the present appeals is whether the Adjudicating Authority has correctly and legally rejected the refund claim under reference or not only on limited ground i.e. as time barred.

2.2 The Appellant further submitted that brief facts of the case read with settled case law in the case of M/s Navyug Ship Breaking Co., the Appellant was due to get refund of more paid up duty as assessed by the assessing officer vide FAAAO 04.03.2024/06.03.2024. The Appellant further submitted that before rejecting the refund claim only by invoking concept of "time barred", no sufficient opportunity to be heard in person has been granted to the. The Appellant further submitted that opportunity of personal hearing was required to be given to them to explain the facts and circumstances and under which grounds, they have filed the refund claims over and above one year form the date of receipt of the FAO. The Appellant further submitted that of there was delay as held by the Adjudicating Authority then also, only few days' of 5 to 6 days which was condonable and if they had been given the opportunity of personal hearing.

2.3 The Appellant further cited and reproduced para 7.3 of the FAO of the impugned order which read as under:-

"I further find that the FAI i.e. 679/2529440/SBY/2023-24 dated 04.03/2024/06.03.2024 was dispatched to the claimant on 07.03.2024 vide register entry no.'6269'. Further, as per the copy of the mentioned FAO submitted by the claimant, it has been marked that the said FAO was received on 09.03.2024. Thus, I find that the refund application was filed on 13.03.2024 which is beyond one year form the date of issuance of Final Assessment Order i.e. 04.03.2024/06.03.2024. Hence, the claim is hit by the bar of time limitation."

On the basis of the above, the Appellant submitted that form the above order portion, the Adjudicating Authority appears to directly or indirectly confess that the FAO had been dispatched form the office of the adjudicating authority on "07.03.2025". Therefore, the adjudicating authority appears to had been wrongly imported in the present case/refund claim as "time barred".

Vishwajeet Singh

2.4 The Appellant further submitted that the Appellate Authority may order to remand back a case to Adjudicating Authority if such principal of natural justice has not been followed. The Appellant submitted that submission may kindly be considered so that principal of natural justice may be awarded to the them.

3. PERSONAL HEARING:

Opportunity of personal hearing was granted to the Appellant. Shri N K Maru, Consultant appeared for personal hearing in virtual mode on 22.07.2026 wherein he re-iterated written submission filed during the appeal. He prayed to set aside the impugned order and requested to remand the case to Adjudicating Authority to decide the case after observing the principle of natural justice.

4. DISCUSSION AND FINDINGS:

4.1 The date of the impugned order is 30.05.2025 and the date of filing appeal by the Appellant is 18.06.2025 thus, based on the above dates, I find that the Appellant had the appeal well within the time period of 60 days prescribed under the provisions of Section 128 of the Customs Act, 1962.

4.2. I find that the matter pertains to the issue of sanction of refund thus there is no question of pre-deposit of 7.5% of duty demanded as prescribed under Section 129E of the Customs Act, 1962.

4.3 The Customs Division Office, Bhavnagar was requested for submission of comments of the appeal filed by the Appellant vide letter dated 11.08.2025 but no comments have been received by this office till date therefore, I am taking up the issue for decision based on the facts of the case and documentary evidence available on record.

4.4 I have carefully gone through the case records, show cause notice and corresponding order passed by the adjudicating authority and the defense put forth by the Appellants in their appeal. The following issues arise for determination:

(i) Whether the cases are fit for remand back to Adjudicating Authority.

4.5 The Appellant has mainly contested that they were not given opportunity of personal hearing following the principal of natural justice. On perusal of the impugned order I find that the impugned order does not contain any details of personal hearing granted in the matter during the course of rejection of refund claim and issuance of impugned order. I am of the considered view that the

Vishwajeet Singh

Adjudicating Authority is law bound to follow the principal of natural justice and give opportunity of personal hearing to the Appellant as they same have not been granted to the Appellant.

4.6 Accordingly, in the interest of justice and in order to ensure compliance with the principles of natural justice, I deem it appropriate to remand the matters to the adjudicating authority under Section 128A (3) of the Customs Act, 1962. In this regard, reliance is placed upon the judgment of the Hon'ble Gujarat High Court in Medico Labs [2004 (173) E.L.T. 117 (Guj.)], the judgment of the Hon'ble Bombay High Court in Ganesh Benzoplast Ltd. [2020 (374) E.L.T. 552 (Bom.)], and the decisions of the Hon'ble Tribunal in Prem Steels Pvt. Ltd. [2012-TIOL-1317-CESTAT-DEL] and Hawkins Cookers Ltd. [2012 (284) E.L.T. 677 (Tri.-Del.)], wherein the appellate authority's power to remand under Section 128A(3) of the Customs Act, 1962 has been recognized.

5. In view of the foregoing discussion, the appeal is allowed by way of remand. The impugned order is set aside and the case is remanded to the Adjudicating Authority for de-novo adjudication in accordance with law after giving opportunity of personal hearing to the Appellant following the principle of natural justice. It is expressly clarified that no opinion or views have been expressed on the merits of the case.

सत्यापित/ATTESTED
अधीक्षक/SUPERINTENDENT
सीमा शुल्क (अपील), अहमदाबाद.
CUSTOMS (APPEALS), AHMEDABAD.

Vishwajeet Singh
04.08.2026.

(Vishwajeet Singh)
Commissioner (Appeals),
Customs, Ahmedabad

F. No. S/49-144/CUS/JMN/JUN/2025-26

By Registered post A.D/Email

M/s Sagarlaxmi Ship Breakers, Plot No. 4, Ship Recycling Yard, Alang, Bhavnagar

Copy to,

1. The Chief Commissioner of Customs, Gujarat, Custom House, Ahmedabad. (email: ccoahm-guj@nic.in).
2. The Commissioner, Customs (Prev), Jamnagar.
3. The Deputy/Assistant Commissioner, Custom Division, Alang, Bhavnagar.
4. Guard File